CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 19 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, मंगलवार, 23 अगस्त, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

एक्सप्रेस न्यूज

चार पाक विस्थापितों को मिली नागरिकता

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान में जयपुर के जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने मंगलवार को चार पाक विस्थापित नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की। इस अवसर पर श्री राजपुरोहित ने (34) जीवाराम, शबाना (43), कैलाश (24) और आरती (18) पाक विस्थापित नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान की। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) श्री मोहम्मद अबूबक्र भी उपस्थित रहें। सभी पाक विस्थापित नागरिकों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय होने पर गर्व है तथा अब वें सभी सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं।

दुरैस्वामी होंगे ब्रिटेन में भारत के नए उच्चायुक्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बांगलादेश में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दुरैस्वामी को ब्रिटेन में भारत का नया उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी। वर्ष 1992 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी श्री दुरैस्वामी की जगह विएतनाम में भारत के राजदूत श्री प्रणय वर्मा को ढाका में भारतीय उच्चायुक्त बनाया गया है। श्री दुरैस्वामी लंदन में सुश्री गायत्री इस्सर कुमार का स्थान लेंगे जो सेवानिवृत्त हो रहीं हैं।

लापता अमेरिकी को एसडीआरएफ ने खोजा

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड में उत्तरकाशी जनपद के डोडी ताल मार्ग से तीन दिन पहले लापता अमेरिका के एक नागरिक को मंगलवार सुबह प्रदेश आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) ने खोज निकाला और उन्हें जिला मुख्यालय लाया जा रहा है। एसडीआरएफ प्रवक्ता ललिता दास नेगी ने बताया कि गत शनिवार को जिला आपदा प्रबंधन केंद्र (डीडीएमओ), उत्तरकाशी से इस विदेशी नागरिक के लापता होने की सूचना मिली थी। सूचना पर तत्काल रेस्क्यू टीम आरक्षी शक्ति रमोला के नेतृत्व में घटनास्थल के लिए रवाना की गई। सुश्री नेगी ने बताया कि चार दिनों तक लगातार चले इस अभियान में टीम ने जंगल, झाड़ी और गदेरों में गहनता से खोजबीन की तथा लापता व्यक्ति को डोडीताल ट्रैक से ढूंढ निकाला।

असम की अदालत में सिसोदिया तलब

गुवाहाटी, (एजेंसी)। स्थानीय कोर्ट ने असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा द्वारा दायर मानहानि मामले में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को 29 सितंबर को तलब किया है। श्री शर्मा ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ आपराधिक मानहानि का केस दायर किया था। असम सीएम की पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा ने श्री सिसोदिया के खिलाफ दीवानी कोर्ट में 100 करोड़ रुपए का मानहानि का केस दायर किया था, जिसके एक महीने बाद यह मामला सामने आया है।

श्रीकांत को जान का खतरा, सुरक्षा मांगी

नोएडा, (एजेंसी)। सेक्टर-93 बी स्थित ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी से सुर्खियों में आए तथाकथित भाजपा नेता श्रीकांत त्यागी की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सोसायटी में एक महिला से बदसलूकी के आरोप में जेल में बंद त्यागी को अदालत ने अब एक अन्य मामले में मंगलवार को कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया था। यह मामला वर्ष-2007 का है। कोर्ट के आदेश पर जेल में बंद श्रीकांत त्यागी को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया। न्यायालय में पेशी के दौरान श्रीकांत त्यागी ने अपनी जान का खतरा बताया है। जेल प्रशासन को पत्र लिखकर अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है।

चूक से ब्रह्मोस छोड़ने वाले तीन अफसर हटाए

केंद्र की कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान में चूक से जा गिरी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल मामले में केंद्र सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को तीन अफसरों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। भारतीय वायु सेना की ओर से बताया गया है कि 9 मार्च, 2022 को ब्रह्मोस मिसाइल मिसफायरिंग घटना के लिए मुख्य रूप से तीन अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। केंद्र सरकार द्वारा उनकी सेवाओं को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है।

जांच के दौरान सामने आई ये बातः भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अधिकारियों को आज 23 अगस्त को बर्खास्तगी के आदेश दिए गए हैं. जिन अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त किया गया है, उनमें एक ग्रुप कैप्टन, एक विंग कमांडर और एक स्क्वाड्रन लीडर शामिल हैं। बता दें कि 9 मार्च को दुर्घटनावश ब्रह्मोस मिसाइल पाकिस्तान में जा गिरी थी।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (सीओआई) ने इस घटना की जांच में पाया कि तीन अधिकारियों ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन नहीं किया। वहीं घटना के बाद रक्षा मंत्रालय ने गहरा खेद जताया था। रक्षा मंत्रालय ने 11 मार्च को कहा था कि तकनीकी खराबी के कारण नियमित रख-रखाव के दौरान दुर्घटनावश एक मिसाइल चल गई थी और पाकिस्तान के एक इलाके में गिरी।

टोमेटो फ्लू के केस बढ़े, केंद्र सरकार अलर्ट

गाइडलाइन जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केरल के बाद कर्नाटक, तमिलनाडु और उड़ीसा में भी टोमेटो फ्लू के केस सामने आए हैं। अब तक 82 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं, जिनमें बच्चे भी टोमेटो फ्लू के शिकार हुए हैं। जानकारों का कहना है कि टोमेटो फ्लू के शिकार लोगों को शरीर में अकड़न, जोड़ों में दर्द, बुखार उल्टी होना स्किन इरिटेशन होना आम लक्षण हैं। इसके बढ़ते केसों को देखते हुए केंद्र सरकार ने भी गाइडलाइन जारी कर दी है। आमतौर पर बच्चों में होने वाले शरीर पर लाल तरह के छाले पड़ते हैं जो बाद में बड़े होकर टमाटर के आकार में दिखते हैं इसलिए इस फ्लू को टोमेटो फ्लू कहा जाता है। छोटे बच्चों में हैंड फुट, माउथ डिजीज काफी होती है। अब यह बीमारी भी बच्चों में फैल रही है।

बीमारी से बचाव के तरीके

सैनिटाइजेशन इसके लिए सबसे बढ़िया बचाव है। अगर किसी को ये बीमारी हो जाती है तो सबसे पहले उसको पांच से सात दिन का आइसोलेशन में डालना चाहिए। इसके साथ ही मरीज को पूरी तरीके से रेस्ट लेना चाहिए और साथ में बहुत सारा फ्लूड लेना चाहिए। ऐसे मरीज जिन्हें यह बीमारी हुई है उनके लिए ज्यादा जरूरी है कि गुनगुने पानी से शरीर पर स्पंज करें। जानकारों का कहना है कि बच्चों को रूमाल के इस्तेमाल के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रेरित करें। शरीर के जिस भी अंग पर छाले पड़े हों उसको बहुत ज्यादा नहीं खरोचें।

मुख्यमंत्री ने किया विदिशा, गुना और राजगढ़ जिले में हवाई सर्वे

बाढ़ पीड़ितों को अपनी बोट में बैठा कर सुरक्षित निकाला

सीएम की गोद में बैठकर आई तनु, शर्मिला

मुख्यमंत्री ने मोटर बोट में साथ बैठे ग्राम स्यावदा के बाढ़ पीड़ित बालाराम, शकुनबाई और शर्मिला केवट से भी संवाद किया। गौरतलब है कि तनु केवट और शर्मिला केवट दोनों बहनें हैं, जो मुख्यमंत्री के साथ संयुक्त रूप से गोद में बैठकर आई थीं। जब बोट पाराशरी नदी के किनारे पहुंची तब मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से सबसे पहले तनु को एनडीआरएफ के दल को सौंपा। सड़क मार्ग पर पैदल चल कर उन्होंने सड़क किनारे मिले लोगों से संवाद किया, बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं सुनीं और उनके निदान के आवश्यक निर्देश मौके पर मौजूद अधिकारियों को दिए।

भोपाल (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को विदिशा, गुना और राजगढ़ जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे किया। इसके बाद विदिशा जिले की बासौदा तहसील के ग्राम स्यावदा में बाढ़ पीड़ितों को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने अनेक बाढ़ प्रभावितों को अपने साथ बोट में बैठाकर सुरक्षित भी निकाला।

मुख्यमंत्री चौहान संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय प्रांगण में हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद बाढ़ से सर्वाधिक ग्रस्त ग्राम स्यावदा के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री ने ग्राम स्यावदा के पहुंच मार्ग को बोट से पार किया। गौरतलब है कि पाराशरी नदी और बेतवा नदी के मुहाने पर स्थित ग्राम स्यावदा के लगभग 270 नागरिक अचानक नदी में बढ़े जल-स्तर के कारण चारों ओर से घिर गए थे। प्रशासन को इसकी सूचना प्राप्त होते ही अविलम्ब बाढ़ में फंसे नागरिकों को सुरक्षित स्थलों पर पहुंचाने के प्रबंध सुनिश्चित किए गए।

सर्वे कर शीघ्र ही सहायता उपलब्ध कराई जाएगी

मुख्यमंत्री ने ग्राम स्यावदा में बाढ़ पीड़ितों से संवाद कर उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त भी किया कि अब उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जो भी नुकसान हुआ है, सर्वे कर शीघ्र ही सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। ऐसे नागरिकों, जिन्हें स्वास्थ्य उपचार की आवश्यकता है, का शासन स्तर पर निःशुल्क स्वास्थ्य उपचार के प्रबंध किए जाएंगे।

प्रभारी कमिश्नर से राहत कार्यों की दी जानकारी

सीएम चौहान को नर्मदापुरम के संभायुक्त और भोपाल संभाग के प्रभारी कमिश्नर मालसिंह भयड़िया ने बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों और राहत कार्यों की जानकारी दी। विदिशा कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने जिले में बाढ़ से प्रभावित गांवों एवं अन्य क्षेत्रों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सेना के हेलीकॉप्टर के बारे में भी जानकारी से प्राप्त की।

400 का रेस्क्यू किया, 2300 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। पेज-11

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने पत्नी-दो बच्चों को जहर देकर लगाई फांसी

अमित यादव

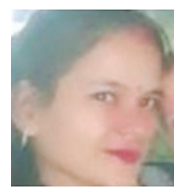

टीना यादव

याना (तीन साल)

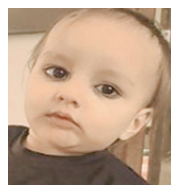

दिव्यांश (डेढ़ साल)

- इंदौर के भागीरथपुरा में फ्लैट में मिली चार लाशें
- लोन नहीं चुकाने के कारण उठाया घातक कदम

इंदौर, (आरएनएन)। भागीरथपुरा के एक फ्लैट का दरवाजा तोड़ने पर उसमें सॉफ्टवेयर इंजीनियर,उसकी पत्नी और दो बच्चों की लाशें मिली। पुलिस ने प्रथम दृष्टया जांच बाद बताया कि इंजीनियर ने पहले पत्नी और बच्चों को जहर दिया और उसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें इंजीनियर ने लोन की किश्त नहीं चुकाने के कारण आत्महत्या की बात लिखी है। पुलिस कई बिन्दुओं पर जांच कर रही है। बाणगंगा इलाके के भागीरथपुरा में मूल रूप से सागर निवासी अमित यादव अपनी पत्नी टीना, तीन साल की बेटी याना और डेढ साल के बेटे दिव्यांश के साथ किराए के फ्लैट में रहता था। मंगलवार को सागर से अमित की मां का फोन मकान मालिक केदारनाथ के पास आया जिसमें कहा गया कि अमित फोन नहीं उठा रहा है। (शेष पृष्ठ 4 पर)

गोवा हवाई अड्डे पर इंडिगो के विमान में आई खराबी

पणजी, (एजेंसी)। मुंबई जाने वाले इंडिगो के विमान के एक इंजन में गोवा हवाई अड्डे पर मंगलवार अपराह्न खराबी आ गई जिससे उड़ान पर रोक लगानी पड़ी। हालांकि, इस पर सवार सभी 187 यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के निदेशक एसवीटी धनंजय राव ने कहा कि भारतीय नौसेना के बचाव दल ने सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया।

विष्णुपद मंदिर में परंपरा टूटने पर बड़ा आक्रोश

पटना, (एजेंसी)। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मंत्री मोहम्मद इसराइल मंसूरी के विश्व प्रसिद्ध मंदिर विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में जाने पर जहां विपक्ष सरकार को घेर रहा है, वहीं अब कई संगठन भी विरोध में आ गए हैं। मंदिर को शुद्ध किया गया। गैरहिंदू मंत्री के मंदिर के गर्भगृह में जाने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए ट्वीट कर लिखा, जब शासक नास्तिक व हिंदू विरोधी होगा तो बिहार में धर्म की रक्षा कैसे होगी? एक मुसलमान के साथ विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने वाले नीतीश कुमार ने जानबूझकर मंदिर की पवित्रता को भंग किया है, उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

तेलंगाना के भाजपा विधायक गिरफ्तार, पार्टी से भी सस्पेंड

दिया था विवादित बयान

हैदराबाद, (एजेंसी)। पैगंबर मुहम्मद पर विवादास्पद टिप्पणी को लेकर तेलंगाना के गोशमहल से भाजपा विधायक टी राजा सिंह गिरफ्तार हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर मंगलवार शाम को पुलिस ने उन्हें जमानत दे दी। इससे पूर्व उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। भाजपा ने विधायक टी राजा सिंह को निलंबित करने के साथ ही कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पार्टी हाईकमान ने विधायक राजा सिंह से 10 दिन के अंदर जवाब मांगा है। इस बीच सोशल मीडिया पर राजा सिंह ट्रेंड कर रहे हैं। कुछ लोग विवादित और नफरती बयान पर टी राजा सिंह की आलोचना कर रहे हैं तो वहीं कुछ समर्थन में उतर आए हैं।टी राजा सिंह पर उस वीडियो को लेकर कार्रवाई हुई जिसमें वह कथित रूप से पैगंबर मुहम्मद पर टिप्पणी कर रहे हैं।

मुनव्वर फारूकी को पीटने की दी थी धमकीः 20 अगस्त को स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी का हैदराबाद के माधापुर में शो 'डोंगरी टु नोवेयर' आयोजित हुआ था। हालांकि उससे पहले गोशामहल से बीजेपी विधायक टी राजा सिंह ने फारूकी को यहां शो न करने की धमकी दी थी। उन्होंने आयोजन स्थल को जलाने और मुनव्वर फारूकी को पीटने की धमकी दी थी। इसके चलते एहतियातन टी राजा सिंह को हिरासत में ले लिया गया था।

सोनाली फोगाट की गोवा में मौत, होटल स्टाफ से पूछताछ

पणजी/चंडीगढ़, (एजेंसी)। भाजपा नेता और टिक टॉक स्टार के तौर पर फेमस सोनाली फोगाट (41) की मौत के बाद पुलिस ने अप्राकृतिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (मापुसा) जिवबा दलवी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वह सोमवार को गोवा आई थीं और अंजुना के एक होटल में ठहरी थीं। मंगलवार सुबह उन्हें होटल में बेचैनी होने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस को सुबह नौ बजे फोन पर मामले की जानकारी मिली। डीएसपी ने कहा कि अंजुना में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। होटल स्टाफ से भी पूछताछ की गई है।

सोनिया ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।राष्ट्रपति भवन ने एक ट्वीट करके जानकारी दी कि कांग्रेस अध्यक्ष ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की। दोनों के बीच मुलाकात के बारे में आधिकारिक रूप से कोई ब्योरा नहीं दिया गया है और इसे शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद श्रीमती मुर्मू से श्रीमती गांधी की यह पहली मुलाकात है। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद से ही देशभर के प्रमुख नेता और मंत्री श्रीमती मुर्मू से शिष्टाचार भेंट करने के लिए आ रहे हैं। श्रीमती गांधी की मुलाकात को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

सिसोदिया की मुश्किलें बढ़ीं

सीबीआई के बाद ईडी ने दर्ज किया मनी लॉन्ड्रिंग का केस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सीबीआई छापे के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनीष सिसोदिया के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत औपचारिक मामला दर्ज कर लिया है।

एजेंसी अब सिसोदिया समेत विभिन्न सरकारी अफसरों व निजी व्यक्तियों की संलिप्तता और प्रक्रिया में उत्पा अवैध धन के संभावित निशान तलाशेगी। ईडी एक वित्तीय जांच एजेंसी है, जो इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच करेगी। ईडी ने जांच के दौरान इस बात का विश्लेषण करेगी कि क्या नीति निर्माण और संबंधित संस्थाओं में शामिल व्यक्तियों और कंपनियों ने पीएमएलए की परिभाषा के तहत अपराध की आय और क्या अवैध या बेनामी संपत्ति का कोई संभावित निर्माण किया था। ईडी के पास ऐसी संपत्तियों को कुर्क करने का अधिकार है।

उपलब्धि | दुश्मन को चकमा देने में माहिर है मिसाइल

नौसेना ने वीएल-एसआरएसएम का किया सफल परीक्षण

चांदीपुर, ओडिशा (एजेंसी)। भारत ने अपनी सैन्य ताकत को और बढ़ाते हुए सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) का सफल परीक्षण किया। भारत के इस परीक्षण से दुश्मन देशों के हौसले जरूर पस्त होंगे।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने मंगलवार को ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर से वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

रडार की पकड़ में भी नहीं आएगा मिसाइल वीएल-एसआरएसएएम- मिसाइल वीएल-एसआरएसएएम की सबसे बड़ी खास बात है कि यह रडार की पकड़ में भी नहीं आएगा। यह कम ऊंचाई में उड़ने वाने दुश्मन के जहाजों को मार गिराने में सक्षम है। इसकी एक और खास बात है कि यह समुद्र के बेहद नजदीक से उड़ने में सक्षम है।

360 डिग्री में घूमकर दुश्मनों पर कहर बरपा सकता है मिसाइल वीएल-एसआरएसएएम- मिसाइल वीएल-एसआरएसएएम- की एक और खास बात है कि यह 360 डिग्री में घूमकर दुश्मन पर कहर बरपा सकता है। जंग होने की स्थिति में इस मिसाइल को किसी भी जंगी जहाज से दागा जा सकता है।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के जजों को लाभ के लिए नियमों में किया संशोधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र ने सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों व सुप्रीम कोर्ट के जजों को सेवानिवृत्ति के बाद अतिरिक्त लाभ प्रदान करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के जज (वेतन और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1958 में संशोधन किया है। सुप्रीम कोर्ट से सेवानिवृत्त जज सेवानिवृत्ति की तारीख से छह माह के लिए दिल्ली में किराए पर मुक्त टाइप-3 आवास के हकदार होंगे। मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, एक सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए 24 घंटे व्यक्तिगत सुरक्षा गार्ड के अलावा आवास पर चौबीसों घंटे सुरक्षा कवर का अधिकार होगा। जजों को एक चालक मिलेगा (सुप्रीम कोर्ट में एक चालक के बराबर) और एक सचिवीय सहायक (सुप्रीम कोर्ट में शाखा अधिकारी के स्तर के बराबर) को सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश और एक सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के जज के साथ तैनात किया जाएगा।

बबलू रैकवार के घर में पेड़ गिरने से मकान की दीवारें गिरी

मरुधर /विशेष

कैमरामैन शिवम रैकवार के साथ बृजेंद्र। ग्राम मोहंद्रा जैन मंदिर के सामने रहने वाली बबलू रैकवार पिता शंकर प्रसाद रैकवार कि द्वार के सामने महुआ का पेड़ जो कि बारिश के कारण और तेज हवाओं से मंगलवार सुबह 5:30 बजे गिर गया जिसकी कारण मकान की दीवाल मैं भारी नुकसान होगा वह मकान प्रधानमंत्री आवास योजना की कुटीर आने से प्राप्त हुआ था जो की छत बारिश के कारण रोक दिया था इसमें लगभग 65000 लागत से मकान बना हुआ था बबलू रैकवार ने संवाददाता को बताया कि घर के लोग और बच्चे बुजुर्ग सभी सो रहे थे तभी जोरदार आवाज आई और बाहर आकर देखा तो विशाल पेड़ मकान के ऊपर गिर चुका था उन्होंने बताया कि भगवान की दया से किसी पर कोई हानि नहीं हुई परंतु मकान की दीवारों का नुकसान हो चुका इस घटना के बाद पटवारी द्वारा नुकसान का जायजा लेकर पंचनामा की कार्यवाही की गई

अग्रसेन महिला महाविद्यालय छात्र संघ चुनाव में निर्विरोध चुने गए समस्त पदाधिकारी

मरूधर विशेष

खेरली। दिनेश लेखी। कस्बे के अग्रसेन महिला महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव 2022-23 में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव पद सहित सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। जिनमें अध्यक्ष अनु शर्मा बी.एस.सी. तृतीय वर्ष, उपाध्यक्ष तनु शर्मा बी.एस.सी. तृतीय वर्ष, महासचिव काजल शर्मा बी.ए. तृतीय वर्ष, सचिव शोभा सैनी बीए तृतीय वर्ष, सांस्कृतिक सचिव रूचि शर्मा बी.ए. तृतीय वर्ष निर्विरोध निर्वाचित हुई है। प्राचार्या डॉ. हेमा देवरानी एवं चुनाव अधिकारी डॉ. नेहा गोयल (उपाचार्य) बताया कि उक्त सभी पदाधिकारियों को 27 अगस्त को शपथ दिलवायी जायेगी।

शिक्षिकाओं के स्थानांतरण पर बालिकाएं बिलख -बिलख रोई

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर उपखंड के निकटवर्ती गांव गिरुडी की स्कूल की शिक्षिकाओं का तबादला होने पर स्कूल की छात्रायें शिक्षिकाओं से लिपट बिलख - बिलख कर रोने लगी। स्कूल की छात्राएं रोते हुई बोली मैम आप मत जाओ, आप जैसी टीचर हमें दुबारा नहीं मिलेंगी। वहीं स्कूल की छात्राओं को रोता देख टीचर भी बिलख बिलख कर रोने लग गई। मामला बानसूर के गिरूडी के कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय का है। जहां स्कूल की अध्यापिका उर्मिला मीणा, मनीषा कुमारी व ललतेश सैन का स्थानांतरण हो जाने पर सोमवार को विदाई समारोह में अध्यापिकाओं को विदाई देते समय स्कूल की छात्राएं तीनों शिक्षिकाओं से लिपट गई और बिलख - बिलख कर रोने लगी । और लिपटकर रोते हुई बोली की मैम आप हमें छोड़कर मत जाओ। हमें आप जैसी टीचर नहीं मिलेगी। वहीं स्कूल की छात्राओं के रोने पर शिक्षिकाओं से भी नही रुका गया और वे भी बच्चियों से लिपटकर कर रोने लग गई। स्कूल की छात्राओं और अध्यापिकाओं को रोते देख वहां पर मौजूद लोगों की भी आंखे नम हो गईं।

कठूमर कॉलेज के छात्रसंघ चुनाव में एनएसयूआई के पैनल ने किया प्रचार शुरू

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। राजकीय महाविद्यालय कठूमर में छात्रसंघ चुनाव के तहत एनएसयूआई ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव पदों के पैनल ने संयुक्त रूप से अपना घर घर प्रचार शुरू किया कठूमर महाविद्यालय से अध्यक्ष पद प्रत्याशी एनएसयूआई समर्थक ने बताया कि अध्यक्ष पद पर पारस राज, उपाध्यक्ष पद पर अंकिता देवी,महासचिव पद पर नीतीश कुमार, संयुक्त सचिव पद पर अखिलेश वर्मा ने संयुक्त रुप से अपने प्रचार शुरू कर दिया है। तथा घर घर पहुंच कर छात्र मतदाताओं से एनएसयूआई के पैनल को वोट मांगे जा रहे हैं। इस मौके पर अवधेश तिवारी गारू, अनीश जाटव मैथना, अजय जाटव मैथना ,संदीप कुमार तिगरिया, केशव सौंख, गंगाराम जाटव सौंख,दीपक सैनी रामपुरा, राहुल सैनी रामपुरा, देवेंद्र कुमार हुल्याणा, मुनेश धानु सालवाली, मदनलाल सालवाडी, प्रवेश रोमियो कठूमर, बृजेश जाटव कठूमर ,कपिल कुमार सिटाहेडा, विवेक जाटव सिटाहेडा, रोशनी गंजपुर,सनम अरूवा, नवीन कोली कठूमर, ललित जाटव बसेठ, दीपक माहौर कठूमर, श्यामसुंदर सौंख, राज लेखी कठूमर, सुभाष जाटव गंजपुर, अंकुश सौंख, पवन कुमार सौंख,मनीष सहाय सौंख आदि उपस्थित रहे।

धर्माऊ तालाब की सफाई

मरूधर विशेष/चिराग संचेती

भीलवाड़ा । पारोली जल जुलनी ग्यारस के लिए पारोली धर्माऊ तालाब की सफाई में पारोली सरपंच साहब की हाजरी में तालाब की सफाई करने मे अति उत्साह दिखते हुए कस्बे के लोग और पूरे तालाब को साफ करवाया।इसमें कांग्रेस नगर अध्यक्ष विनोद संचेती और सभी लोग वहां मौजूद थे

वेटिकन में पोप फ्रांसिस अपनी खिड़की से प्रार्थना में भाग लेने वालों का अभिवादन करते हुए।

पाकिस्तान में पुलिस के सहयोग से सिख लड़की जबरन अपहरण, दुष्कर्म कर करवाया धर्मांतरण!

लाहौर। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय का लड़कियों के साथ जबरन अपहरण और दुष्कर्म के बढ़ते मामले चिंता का सबब बनते जा रहे हैं। यहां के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बुनेर जिले में 20 अगस्त की शाम को एक सिख समुदाय की लड़की को जबरन अपहरण कर उसे इस्लाम धर्म में परिवर्तित कर दिया गया, जिसके बाद बड़े पैमाने पर सिख समुदायों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पीड़िता का अपहरण पुलिस की सहायता से बन्दूक की नोंक पर किया गया। फिर उसका बलात्कार किया गया और उसके बाद अपहरणकर्ता से शादी करवाकर उसका धर्म बदलवा दिया गया। भेदभाव और उत्पीड़न की इस भयावह घटना को देखकर सैकड़ों सिखों और अन्य लोगों ने सड़क जाम कर न्याय की मांग की। एक प्रदर्शनकारी सिख ने कहा, 'मैं पाकिस्तान के लोगों और विदेशियों से अपील करता हूं कि हम पर हमला और अत्याचार हो रहा है। यह विरोध प्रदर्शन तब तक जारी रखा जाएगा जब तक वो हमारी बेटी को वापस नहीं लौटाते। प्रशासन ने हमे पूरे दिन गुमराह किया। बेटी के अपहरण में प्रशासन बुनेर के लोग शामिल हैं। इन सब ने मिलकर हमारी बेटी को प्रताड़ित किया, उसका बलात्कार किया और फिर जबरदस्ती उसकी शादी करा दी'। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि पुलिस ने हमारी एफआईआर दर्ज नहीं की। हमने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी बात की, लेकिन किसी ने भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया, जिससे साफ पता चलता है कि इस अपराध के पीछे प्रशासन का पूरा समर्थन है।

यूक्रेन संघर्ष के बीच अपने आर्थिक हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भारत के लिए चुनौती: जयशंकर

साओ पाउलो (ब्राजील)। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को यह सुनिश्चित करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है कि उसके आर्थिक हितों की अच्छी तरह से रक्षा की जाए और उसके उपभोक्ताओं को यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर तेल की कीमतों में भारी उछाल से बचाया जाए। जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी इजाफा हुआ है इसलिएभारत के लिए अपने नागरिकों को तेल की बढ़ती कीमतों के बोझ से बचाना भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है।

दक्षिण अमेरिकी देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में यहां पहुंचे जयशंकर ने शनिवार को यहां भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष के कारण भारत की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताएं काफी बढ़ गयी हैं। यूक्रेन संघर्ष ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को काफी प्रभावित किया है। रूस से सस्ती कीमतों पर तेल खरीदने के भारत के कदम का बचाव करते हुए जयशंकर ने कहा, ''हमारे पास एक चुनौती है। हमें कूटनीति के माध्यम से, विभिन्न सरकारों के साथ बातचीत के माध्यम से यह सुनिश्चित करना है कि हमारे आर्थिक हितों की अच्छी तरह से सुरक्षा हो और भारतीय उपभोक्ताओं को तेल की लगातार बढ़ती हुई कीमतों से जितना संभव हो सके बचाया जाए।'' विदेश मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में दुनिया वैश्वीकरण के दौर में है और यदि दुनिया के एक कोने में कुछ होता है तो बाकी सभी इससे प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के संबंध में भारत के राष्ट्रीय हितों को हर संभव तरीके से पूरा करने और उसकी सुरक्षासुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि यूक्रेन पर 24 फरवरी 2022 को रूस की ओर से हमले की शुरुआत के बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए हैं। भारत ने पश्चिमी देशों की ओर से की गयी आलोचना के बावजूद यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से तेल आयात बढ़ाया है और व्यापार के लिए मास्को के साथ संपर्क बनाए रखा है।

रूस ने भारत में आतंकी हमले की योजना बना रहे आईएस के आत्मघाती हमलावर को किया गिरफ्तार

कीव (एजेंसी)।

रूस ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आंतकी कथित तौर पर आत्मघाती हमले का प्रयास करने के लिए भारत की यात्रा करने की योजना बना रहा था। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार आतंकवादी ने ÷भारत के सत्तारूढ़ हलकों के प्रतिनिधियों में से एक÷ के खिलाफ हमले की योजना बनाई। रूस में एफएसबी ने मध्य एशियाई क्षेत्र के एक देश के मूल निवासी अंतरराष्ट्रीय संगठन इस्लामिक स्टेट द्वारा रूस में प्रतिबंधित एक सदस्य की पहचान की और उसे हिरासत में लिया। फेडरल सिक्योरिटी सर्विस ने मध्य एशियाई देश के एक मूल निवासी के रूप में उसकी पहचान की है। बताया जा रहा है कि उसने भारत में सत्ताधारी दल यानी बीजेपी के किसी नेता पर हमला करने की योजना बनाई थी। सिक्योरिटी सर्विस द्वारा एक बयान में इसके बारे में बताया गया है। एफएसबी की विज्ञप्ति में कहा गया, ÷उसके बाद, उसे रूस जाने, आवश्यक दस्तावेजों को पूरा करने और एक हाई-प्रोफाइल आतंकवादी कृत्य करने के लिए भारत जाने का काम दिया गया।' गौरतलब है कि इस्लामिक स्टेट और इसकी सभी गतिविधियों को रूस में आतंकवादी संगठन के रूप में घोषित किया गया है। रूस के गृह मंत्रालय के मुताबिक आईएस अपनी विचारधारा को प्रचारित करने के लिए विभिन्न इंटरनेट आधारित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा है। इस संबंध में संबंधित अलर्ट सभी सुरक्षा एजेंसियां साइबर स्पेस पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

बानसूर छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी और निर्दलीय प्रत्याशी में होगा मुकाबला

मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा

छात्र संघ चुनाव की गहमागहमी के बीच बानसूर के राजकीय कॉलेज में मंगलवार 2:00 बजे अंतिम उम्मीदवारों की सूची चस्पा की गई । मुख्य निर्वाचन अधिकारी राकेश शर्मा ने बताया कि छात्र संघ चुनाव के कुल 4 पदों के लिए 8 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन भरा था। जिसमें एबीवीपी ने संयुक्त सचिव पद के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया । वहीं अब संयुक्त सचिव पद के लिए एक ही निर्दलीय कोमल सैनी का नामांकन रह गया जिससे संयुक्त सचिव पद के लिए कोमल सैनी निर्विरोध निर्वाचित हो गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राकेश शर्मा ने बताया कि दोपहर 2:00 बजे नाम वापसी के समय के पश्चात छात्र संघ चुनाव 2022 के अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष, महासचिव ,संयुक्त सचिव पद के लिए अंतिम नामांकन की सूची जारी कर दी है।छात्र संघ चुनाव को लेकर बानसूर राजकीय कॉलेज से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी एबीवीपी से ममता बाई और निर्दलीय राहुल यादव की आमने सामने टक्कर रहेगी ।

एबीवीपी -- पैनल ---

1.ममता बाई - अध्यक्ष
2. हरीश कुमार सैनी -उपाध्यक्ष
3. कृष्ण कुमार आर्य - महासचिव

निर्दलीय -- पैनल

1. राहुल यादव - अध्यक्ष
2.साहिल मीणा - उपाध्यक्ष
3. पूजा कुमारी - महा सचिव
4. कोमल सैनी - सयुक्त महा सचिव

वहीं एनएसयूआई ने बानसूर छात्र संघ चुनाव में अपना प्रत्याशी नहीं उतारा । जिसके कारण अब निर्दलीय और एबीवीपी के प्रत्याशी चुनाव में आमने सामने रहेंगे।

गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार हुए इमरान, पीटीआई की धमकी- इस्लामाबाद पर कर लेंगे कब्जा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

आतंकवाद निरोधी कानून में एफआईआर दर्ज होते ही इमरान खान पर गिरफ्तारी का शिकंजा कस चुका है। पाकिस्तानी मीडिया में आ रही खबर के अनुसार गिरफ्तारी से बचने के लिए इमरान खान फरार हो गए हैं। अटकलें लगाई जा रही हैं कि इमरान खान पंजाब में कहीं छिपे हुए हैं। जहां पर उनकी पार्टी पीटीआई की ही सरकार है। इस बीच पाकिस्तान में सियासी गहमा गहमी भी काफी बढ़ गई और इमरान की पार्टी पीटीआई ने धमकी दी है कि अगर इमरान खान को गिरफ्तार किया गया तो वे इस्लामाबाद पर कब्जा कर लेंगे। बनीगाला स्थित इमरान के घर पर भी बड़ी संख्या में उनके समर्थक जमा हो चुके हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद की पुलिस इमरान खान को गिरफ्तार करने के लिए बनीगाला पहुंची थी। मगर कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस ऐसा करने में सफल नहीं हो पाई। इमरान की पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर बड़ी संख्या में उतर रहे हैं। इमरान सरकार में मंत्री रहे अली अमीन खान ने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान सरकार इमरान को गिरफ्तार करती है तो पीटीआई कार्यकर्ता इस्लामाबाद को 'टेकओवर' कर लेंगे। वहीं हसन नियाजी ने देशभर में हड़ताल का आह्वान किया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दरअसल, इमरान ने अपनी पार्टी के एक नेता की गिरफ्तारी को लेकर जज और पुलिस अधिकारियों को खुलेआम धमकी दे डाली। इस मामले में इमरान खान के खिलाफ इस्लामाबाद के एक थाने में आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई। जिसके बाद उसके घर के बाहर सड़क को ब्लॉक कर दिया गया और बिजली भी काट दी गई। इमरान खान लगातार पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ जमकर हल्ला बोल रहे हैं।

ईरान से संबंध बहाल करेगा यूएई, साढ़े छह साल बाद तेहरान भेजेगा राजदूत

अबू धाबी (एजेंसी)।

ईरान और यूएई के बीच लंबे समय से रिश्तों की चली आ रही खटास में मिठास घोलने की कवायद शुरू हो गई है। राजनयिक संबंधों को खत्म करने के साढ़े छह साल से ज्यादा समय के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अब उससे फिर से अपने संबंध बहाल करने की घोषणा की है। यूएई ने कहा कि ईरान में उसके राजदूत सैफ मोहम्मद अल जाबी आने वाले दिनों में तेहरान जाएंगे। सऊदी अरब के राजनयिक मिशनों पर प्रदर्शनकारियों के धावा बोलने के कारण यूएई ने 2016 में ईरान से राजनयिक संबंधों को खत्म कर दिया था। एक खबर के मुताबिक यूएई के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये कदम ईरान के साथ संबंधों को मजबूत करने के यूएई के प्रयासों के अनुरूप है। गौरतलब है कि सऊदी अरब के एक प्रमुख शिया विद्वान निम्र अल-निम्र को फांसी दिए जाने के बाद ईरानी प्रदर्शनकारियों ने ईरान में सऊदी अरब के राजनयिक मिशनों पर धावा बोला था। जिसके बाद यूएई ने 2016 में तेहरान के साथ अपने राजनयिक संबंधों को तोड़ दिया था। पिछले हफ्ते ही यूएई और ईरान के विदेश मंत्रियों ने टेलीफोन पर बातचीत की और आपसी संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने तेहरान में यूएई के राजदूत को वापस भेजने पर भी चर्चा की। अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान और ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीरबदुल्लाहियन ने दोनों देशों के लाभ के लिए द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग के क्षेत्रों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की।

सिंगापुर के पीएम बोले- रूस से हथियार खरीदता है भारत, इसलिए यूक्रेन हमले की निंदा नहीं की

सिंगापुर (एजेंसी)।

भारत के दोस्त सिंगापुर के पीएम ली सिएन लूंग ने एक चुभती हुई बात की और कहा कि भारत मॉस्को से सैन्य उपकरण खरीदता है इसलिए उसने संयुक्त राष्ट्र में, यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा के प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया। सिंगापुर की जनता को दिए गए वार्षिक संबोधन में ली ने मंदारिन भाषा में कहा कि भारत, चीन, वियतनाम और लाओस ने संयुक्त राष्ट्र में उस प्रस्ताव पर मतदान नहीं किया जिसमें यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा की गई थी। भारत रूस से सैन्य उपकरण खरीदता है। इसी साल फरवरी में पीएम ली सिएन लूंग ने भारत के आधे सांसदों को बलात्कारी और हत्यारा बताया था।

गौरतलब है कि फरवरी में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव लाया गया था जिसमें यूक्रेन पर रूस के हमले की कड़ी निंदा की गई थी और नई दिल्ली ने यह कहते हुए उस पर मतदान में भाग नहीं लिया था कि विवाद सुलझाने के लिए संवाद ही एक रास्ता है। प्रस्ताव पारित नहीं हुआ था क्योंकि स्थायी सदस्य और फरवरी के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष रूस ने उस पर वीटो कर दिया था। ली ने कहा कि आसियान समूह का सबसे छोटा देश होने के नाते सिंगापुर के हित स्वाभाविक रूप से अन्य देशों से भिन्न हैं।

उन्होंने कहा, 'इसलिए सिंगापुर ने न केवल रूस के हमले की निंदा की बल्कि उस पर प्रतिबंध भी लगाए। ली ने कहा कि रूस की आलोचना करते हुए सिंगापुर ने अमेरिका या रूस के साथ खड़े होने का संकेत नहीं दिया। उन्होंने कहा कि सिंगापुर को अपनी स्थिति पर अडिग रहना है और मूलभूत सिद्धांतों का बचाव करना है। ली ने कहा कि कोई देश छोटा या बड़ा हो, उसकी संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने फरवरी 2022 में संसद में' देश में लोकतंत्र को कैसे काम करना चाहिए' विषय पर एक बहस में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का जिक्र किया था। उन्होंने भारत के दागी सांसदों के मुद्दे पर निशाना साधते हुए कहा था, 'जवाहर लाल नेहरू का भारत ऐसा बन गया है जहां मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लोकसभा में लगभग आधे सांसदों के खिलाफ बलात्कार और हत्या के आरोप लंबित हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि इनमें से कई आरोप राजनीति से प्रेरित हैं।'

संपादकीय

सेब की कसक

बाजार की बड़ी ताकतों के हस्तक्षेप से घटता मुनाफा हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों के कष्टों का सबब बना हुआ है। बड़ी पूंजी की ये कंपनियां अपनी ताकत से फसल की पैदावार पर बड़ी खरीद से बाजार मूल्य को प्रभावित कर रही हैं। ये कंपनियां पीक सीजन पर फसल की कीमत गिरा देती हैं और ऑफ सीजन पर मनमाने दाम वसूलती हैं। जिससे सेब उत्पादकों का मुनाफा कम हो जाता है। फसल पकने पर औने-पौने दामों पर सेब खरीदकर नियंत्रित तापमान वाले भंडारगृहों में जमा कर लेती हैं। जब ऑफ सीजन आता है तो मनमाने दामों पर सेब की फसल बेचने लगती हैं। जिससे उत्पादकों को न्यायोचित मुनाफा नहीं मिल पाता। वहीं आम उपभोक्ताओं को भी महंगे दामों में सेब खरीदना पड़ता है। कुल मिलाकर बड़ी पूंजी की कंपनियां सेब बाजार को कब्जाने की जुगत में हैं। हाल के दिनों में सेब उत्पादकों की परेशानियों में लगातार इजाफा हुआ है। दरअसल, सेब की पैकेजिंग करने वाले सामान पर जीएसटी लगने से बागवानों की लागत बढ़ी है। वहीं कीटनाशकों के दामों में वृद्धि, सेब को तोड़ने, पैक करने की लागत बढ़ने तथा पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत वृद्धि से परिवहन लागत में वृद्धि हुई है। किसान लगातार सरकारों से मांग कर रहे हैं कि उनकी उपज के मूल्य का न्यायसंगत भुगतान हो। उत्पादकों में यह मांग जोर पकड़ती जा रही है कि सेब की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण से समस्या का समाधान संभव है।

दरअसल, किसानों की मांग है कि एमएसपी का निर्धारण प्रति पेटी के बजाय प्रति किलो सेब के आधार पर हो। साथ ही उनकी उपज के समय पर भुगतान, लोडिंग कीमतों के निर्धारण तथा नीलामी के माध्यम से फसल की बिक्री जैसे प्रावधान किये जाएं। वे राज्य व केंद्र सरकार से अविलंब हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। बागवान चेता रहे हैं कि यदि सरकारें कदम नहीं उठाती तो वे अदालत की शरण में जा सकते हैं। निस्संदेह सेब उत्पादकों की आय बढ़ाने हेतु सरकारी हस्तक्षेप अपरिहार्य ही है। दरअसल, बागवानों की समस्याएं देश के किसानों से अलग नहीं हैं जो अपनी उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य के हक को कानूनी दर्जा दिलाने को संघर्षरत हैं। दरअसल, बड़ी पूंजी की कंपनियों की मनमानी की आशंका के चलते ही देशभर के किसानों ने तीन कृषि सुधार कानून का करीब एक साल तक विरोध किया। कृषि उत्पाद बाजार को नियंत्रित करने की किसानों की आशंका हिमाचल के सेब बाजार में नजर आ रही है। जैसा कि दुनिया के तमाम विकासशील देशों में हो रहा है और कृषि व फल उत्पादकों को लाचार स्थिति में ला खड़ा किया है। लगता है हिमाचल के आसन्न विधानसभा चुनाव में सेब उत्पादकों की समस्याएं बड़ा मुद्दा बन सकती हैं। किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य व सब्सिडी को इस समस्या के समाधान के रूप में देख रहे हैं। जिसके लिये वे सरकारों पर दबाव बनाने के मूड में हैं। यह भी तथ्य है कि हिमाचल के सकल घरेलू उत्पाद में सेब की हिस्सेदारी 13.5 फीसदी है।

चीन को ना भारत को हां

नेपाल ने एक पनबिजली परियोजना के निर्माण का ठेका वापस लेकर चीन को करारा झटका दिया है। चीन की चालों से आजिज आकर नेपाल ने परियोजना से हाथ पीछे खींच लिये। नेपाल के पश्चिम में बनने वाली इस परियोजना का निर्माण अब भारत की नेशनल हाइड्रो पावर कंपनी करेगी। विशेषज्ञों का आकलन है कि नेपाल की नदियों में 42,000 मेगावॉट बिजली पैदा करने की क्षमता है। फिलहाल

यह 1,200 मेगावॉट बिजली ही पैदा कर रहा है। नेपाल की जरूरत 1,750 मेगावॉट है और से इसे पूरा करने के लिए वह 550 मेगावॉट बिजली भारत से खरीदता है। एक अनुमान के अनुसार 13 अरब डॉलर का व्यापार घाटा झेल रहे नेपाल के लिए पनबिजली उत्पादन क्षेत्र एक बड़ी उम्मीद लेकर उभरा है। हाल में भारत की एनएचपीसी लिमिटेड के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समझौता दो परियोजनाओं के लिए हुआ है, जो नेपाल के सुदूर पश्चिम में सेती नदी पर स्थित हैं, जिनमें पश्चिमी सेती (750 मेगावॉट) और एसआर 6 (450 मेगावॉट) शामिल हैं। पहले चीन की सबसे बड़ी हाइड्रो पावर कंपनी थ्री गोर्जेस इंटरनेशनल कॉर्प इन परियोजनाओं को बनाने वाली थी, लेकिन समझौते की शर्तों के कारण नेपाल ने यह समझौता रद्द कर दिया। इन्वेस्टमेंट बोर्ड नेपाल के अनुसार दशकों की देरी के बाद और ज्यादा अनिश्चितता झेलना संभव नहीं था। भारतीय कंपनी के साथ समझौते के अनेक फायदे हैं। पर्वतीय नदी घाटी इलाकों में परियोजनाएं विकसित करने के मामले में एनएचपीसी का रिकॉर्ड बहुत अच्छा है। नेपाल को उम्मीद है कि उसे भारतीय बाजार में बिजली की बिक्री सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी। भारत और चीन, दोनों के लिए नेपाल की बड़ी रणनीतिक अहमियत है। पिछले कुछ सालों में नेपाल ने चीन की बेल्ट एंड् रोड इनिशिएटिव के तहत काफी समझौते किए हैं। फिलहाल सभी परियोजनाएं अधूरी हैं। इससे भारत में नेपाल के चीन के करीब जाने की संभावना से चिंता बढ़ गई थी। इस कारण नेपाल को लेकर भारत की नीतियां लचीली हुई हैं। पिछले वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच बार नेपाल जा चुके हैं। उम्मीद करें कि पनबिजली समझौते से भारत नेपाल संबंधों में नये सिरे से गर्मजोशी आएगी। दोनों देशों में सदियों से मजबूत पारस्परिक संबंध हैं।

चिंतन-मनन

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

रोजगार की आजादी तो मिली ही नही,गुलामीयत बरकरार है!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रभक्ति के तहत नाच गाना ,भाषण तो बहुत हो गए।लेकिन बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं को रोजगार नही मिला।आज़ादी के अमृत महोत्सव का जश्न अभी 15 अगस्त 2023 तक चलेगा।जिसपर 110 करोड़ रुपये केंद्र सरकार द्वारा आवंटित किए हैं। जबकि राज्य सरकारों द्वारा भी इस महोत्सव के लिए करोड़ो रुपयों का भारी भरकम बजट अलग से निर्धारित किया गया है।आजादी का अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा 12 मार्च, सन2021 को गुजरात की साबरमती से शुरू हुई थी, जो 15 अगस्त, सन 2023 को एक वर्ष के बाद समाप्त होगी। शुरुआत के बाद से 270 दिनों में 150 से अधिक देशों जहां जहां भी भारतीय मूल के लोग रहते है, 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 13000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं।इस शताब्दी और वर्षगांठ योजना के लिए परिव्यय को 5 वर्ष की अवधि में बढ़ाकर 980 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है, वर्ष 2022-23 के लिए 380 करोड़ रुपये का प्रस्ताव अभी विचाराधीन है। 2021-2022 के लिए अनुमोदित संशोधित परिव्यय (2665.00 करोड़ रुपये) के मुकाबले 3009.05 करोड़ रुपये है। इस परिव्यय में वित्तवर्ष 2022-23 के दौरान 2 संलग्न कार्यालयों, 6 अधीनस्थ कार्यालयों, 34 केंद्रीय स्वायत्त निकायों और मंत्रालय की योजनाओं के प्रावधान शामिल हैं। वित्तवर्ष 2022-23 में वार्षिक परिव्यय वित्तवर्ष 2021-22 में संशोधित वार्षिक परिव्यय से 13 प्रतिशत अधिक है।इस बाबत एएसआई को 1080.34 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।वित्तवर्ष 2022-23 में मंत्रालय की मध्य क्षेत्र की योजनाओं के लिए 532.55 करोड़ रुपये (9 प्रतिशत) आवंटित किए गए हैं, जिसमें कला संस्कृति विकास योजना, संग्रहालय का विकास, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, शताब्दी और वर्षगांठ समारोह योजना और पुस्तकालयों और अभिलेखागार का विकास शामिल है।

इस महोत्सव की एक महत्वपूर्ण कड़ी है 'हर घर तिरंगा' अभियान। देशभर में बाजार के अंदर व 115 लाख डाक घरों में राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री व्यापक स्तर पर हुई है। एक कारोबारी ने बताया, 'डिमांड में 100 गुना तक बढ़ोतरी हुई है। जो लोग छपाई से जुड़ा कोई भी काम कर रहे थे वे इस बार हर काम छोड़ कर बस तिरंगा बनाने में जुटे रहे ।' तिरंगा की मांग इतनी ज्यादा की जा रही है कि उसे बनाने वाले कारीगर कम पड़ गए हैं. कई दुकानदारों ने तो नया ऑर्डर लेने से ही इंकार कर दिया है। तिरंगा की बढ़ती मांग को देखते हुए दुकानदारों ने बाजार में झंडों की बुकिंग तक बंद कर दी थी। इस बार बाजार में कागज के तिरंगा की बजाय कपड़े के तिरंगा की मांग ज्यादा है, दुकानदार खुद भी तिरंगा कम पड़ने से निराश हैं और ग्राहकों को

> घर घर तिरंगा,आजादी का जश्न अच्छी बात है लेकिन हम उन लोगो के लिए क्या कर पा रहे है जो गुलामी जैसा जीवन जीने को मजबूर है,जिनके अपने घर नही है और जो फुटपाथ पर रात गुजार रहे है।ऐसे लोगो को तिरंगे के साथ रोटी,कपड़ा व मकान भी मिला होता तो इस जश्न की बात ही निराली होती। वही जिन परिवारों के बलिदान के कारण आज हम आज़ाद है उन्हें राष्ट्रीय परिवार घोषित कर विशेष सम्मान देना हम सबका फ़र्ज बनता है।जिसपर अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई।इन स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को उम्मीद थी कि उनकी मांगों का दीया भी सरकार के तेल से जलेगा लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी,फिर किसके लिए मनाया जा रहा है यह आजादी महोत्सव?

भी तिरंगा नहीं मिलने से निराश होकर लौटना पड़ रहा है। वहीं, मांग बढ़ने और उसकी सप्लाई कम होने के कारण दिल्ली समेत देशभर में तिरंगा के दाम बढ़ गए हैं। एक अनुमान के मुताबिक इस महोत्सव में देशभर में लगभग 6 करोड़ राष्ट्रीय ध्वज बीके है।अकेले डाकघरों में इन ध्वजों की बिक्री लगभग ढाई लाख है जिनमे डेढ़ लाख ध्वज ऑन लाइन बिके तो एक करोड़ से अधिक सीधे डाकघरों की विंडो से बेचे गए।सरकारी स्तर पर ध्वज की कीमत 25 रुपये है जबकि खुले बाजार में राष्ट्रीय ध्वज 50 रुपये से 100 रुपये तक बिका।अभी तक राष्ट्रीय ध्वज गांधी आश्रम से ही खादी का बना मिलता था।जिसकी गुणवत्ता भी थी।लेकिन इस बार पॉलिएस्टर के ध्वज गुणवत्ता में खादी के मुकाबले कही नही टिकते।खादी का एक ध्वज के बराबर पोलियस्टर के 20 ध्वज है।जिसकारण ध्वज की गरिमा बनाये रखना भी चुनौती पूर्ण है।भारतीय ध्वज संहिता के खंड 2.2 के अनुसार, यदि तिरंगा झंडा क्षतिग्रस्त हो या बदरंग हो जाए या फिर कट फट जाए तो उसे अलग ले जाकर पूरी तरह नष्ट कर देना चाहिए।यानी एक तरह से जलाकर या फिर किसी ऐसे तरीके से, जिसमें कि राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा को कोई ठेस ना पहुंचे। तिरंगे झंडे को पवित्र नदी में जल समाधि भी दी जा सकती है।फटा या गंदा तिरंगा झंडा फहराना अपराध है अगर कोई ऐसा करता है तो उसे 3 साल की सजा हो सकती है।स्वतंत्रता दिवस या अन्य किसी राष्ट्रीय पर्व पर स्कूलों में बच्चे कागज के तिरंगा लेकर जाते हैं।तिरंगे झंडे को लेकर कड़े नियम हैं।इन झंडों को कभी भी जमीन पर नहीं फेंकना चाहिए। इस झंडे को राष्ट्र ध्वज की गरिमा को ध्यान रखते हुए अलग ले जाकर त्याग देना चाहिए।आप कागज के तिरंगे को पानी में भी समर्पित कर सकते हैं।आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पहला कार्य उन शहीदों,स्वतंत्रता सेनानियों व उनके उत्तराधिकारियों के प्रति सम्मान अभिव्यक्त करना होना चाहिए था,कही कही यह सम्मान हुआ भी,लेकिन ज्यादातर आज़ादी के इन दीवानों के परिवारों की उपेक्षा ही हुई। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार राष्ट्रीय समन्वय समिति की नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित की गई बैठक में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर युद्ध स्मारक की तरह स्वतंत्रता सेनानी स्मारक के निर्माण की मांग की है।साथ ही स्वतंत्रता सेनानी आयोग का गठन करने,केंद्र व राज्य स्तर पर सरकार में विभिन्न पदों पर स्वतंत्रता सेनानी परिवार के सदस्यों का मनोनयन,राज्य सभा व लोकसभा में प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की गई।नई दिल्ली व छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुई राष्ट्रीय समन्वय समिति की बैठक में देशभर के 22 राज्यों से चयनित 75 सदस्यों ने इन राष्ट्रीय परिवारों की उपेक्षा का मुद्दा उठाया।

112 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी दादा लेखराज, वयोवृद्ध अन्य सेनानी प्रह्लाद प्रसाद प्रजापति , ले. आर माधवन, अनन्त लक्ष्मण गौरव जो भारत सरकार द्वारा बनाई गई एमिनेंट कमेटी के सदस्य है व भारत भूषण विद्यालंकार ने माना कि आजादी के अमृत महोत्सव के चलते भी उन्हें पर्याप्त सम्मान नही मिल पाया है। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति (रजि.) के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि स्वतंत्रता सेनानी संगठनो द्वारा स्वतंत्रता सेनानी सम्मान तिरंगा यात्रा देशभर के 283 जिलों में गत 6 अगस्त को निकाली गई है।

आजादी के अमृत महोत्सव पर हर स्वतंत्रता सेनानी परिवार के द्वारा अपने पूर्वज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को सम्मान देने की दृष्टि से यह यात्रा निकाली गई है।हरिद्वार में यह यात्रा 6 अगस्त को 10 बजे देवपुरा चौक से आरंभ होकर 12 बजे शहीद जगदीश वत्स स्मारक कोतवाली के सामने पहुंची। इस सम्मान यात्रा का स्वागत करने के लिए स्थान स्थान पर धार्मिक, सामाजिक संगठनों तथा राजनीतिक दलों के द्वारा विभिन्न स्थलों पर व्यवस्था की गई थी। इस यात्रा में स्वतंत्रता सेनानी व उनके उत्तराधिकारियों के हाथों में अपने पूर्वज स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्र तथा तिरंगा झंडा सज रहे थे। नई दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया में हुई पत्रकार वार्ता के दौरान भी स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी आंदोलन की याद ताजा की और आज़ादी के बाद के हालात को भी बयान किया।आजादी के इस अमृत महोत्सव के अवसर पर हम अगर देश मे बढ़ते अपराधों पर नज़र डालें तो आजादी बेमायने सी लगने लगती है।ऐसा लगता है जैसे अपराधी आज़ाद हो और आमजन गुलाम।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों अनुसार, वर्ष 2020 के दौरान अपराध के मामलों में 2019 की तुलना में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।हत्या के मामले में यूपी अव्वल है। भारत में सन 2020 में प्रतिदिन औसतन 80 हत्याएं हुईं और एक वर्ष में 29,193 लोगों का कत्ल किया गया। हत्या के मामले में राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है।पूरे देश में सन 2020 में बलात्कार के प्रतिदिन करीब 77 मामले दर्ज किए गए।जबकि बलात्कार के 20 प्रतिशत मामले ही पुलिस तक पहुंच पाते है। पिछले साल दुष्कर्म के कुल 28,046 मामले दर्ज किए गए।वर्ष 2020 में कुल 66,01,285 संज्ञेय अपराध दर्ज किए गए, जिसमें भारतीय दंड संहिता के तहत 42,54,356 मामले और विशेष एवं स्थानीय कानून (एसएलएल) के तहत 23,46,929 मामले दर्ज किये गए।आईपीसी की धारा 188 के तहत के तहत लोक सेवकों द्वारा लागू व्यवस्था का उल्लंघन करने को लेकर वर्ष 2019 में 29,469 मामले दर्ज किये गए थे।

विचार मंथन

खालिस्तान का होगा खात्मा

सिद्धार्थ शंकर

केंद्र सरकार खालिस्तानी नेटवर्क और ड्रग ट्रैफिकिंग मॉड्यूल के खिलाफ ऐक्शन लेने की तैयारी में है। गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य जांच एजेंसी को दिल्ली से सटे 5 राज्यों में खालिस्तानी नेटवर्क को खत्म करने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय ने यह फैसला एनआईए, ईडी, आईबी और रॉ के साथ हुई अहम बैठक के बाद लिया है। बैठक में दिल्ली पुलिस समेत पांच राज्यों की पुलिस मौजूद थी। जांच एजेंसी खालिस्तानी एक्टिविटी पर नजर रखेगी और उनके ऊपर केस दर्ज करेगी। दरअसल, कुछ महीने दिल्ली और आसपास के राज्यों में विस्फोटक बरामद हुए थे। ईडी और आईबी को आशंका है कि उनके पीछे आईएसआई और पाकिस्तान में मौजूद खालिस्तानी संगठनों का हाथ है। जांच एजेंसी के मुताबिक ये संगठन देश में बड़े हमले को अंजाम देना चाहते हैं। उसके लिए इन संगठनों को विदेशों से फंडिंग हो रही। एनआईए इसकी भी जांच करेगी कि इन संगठनों को विदेशी फंडिंग कहां से आ

रही है। केंद्र सरकार ने 5 खालिस्तानी संगठन को अपना टारगेट बनाया है। इनमें खालिस्तानी लिबरेशन फ्रंट, बब्बर खालसा इंटरनेशनल, सिख यूथ फेडरेशन, सिख फॉर जस्टिस और खालिस्तान टाइगर फोर्स आदि संगठन शामिल हैं। इन संगठनों पर केस दर्ज करने के लिए केंद्र सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है।

इसके चलते खालिस्तानी संगठनों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक एनआईए ड्रोन के जरिये हथियार, आईईडी, विस्फोटक भेजने पर खालिस्तानी गैंग और उससे जुड़े संगठनों पर नजर रखेगी। खालिस्तानी नेटवर्क पर सरकार का सख्त रवैया बिल्कुल सही है। भारत ने करीब डेढ़ दशक तक पंजाब के आतंकवाद को झेला है और इसकी भारी कीमत चुकाई है। हजारों निर्दोष भारतीय नागरिक आतंकवादियों की हिंसा का शिकार हुए। अब इस दौर में खालिस्तान की मांग करने वालों की आवाज उस देश से आई है जो आतंकवाद के खात्मे में हर तरह से भारत के साथ होने का दावा करता रहा है और खुद भी इसके खतरों से दो-चार रहा है। सिख फॉर जस्टिस यूरोप के कई देशों में सक्रिय है। अमेरिका और कनाडा में इसके तार हैं। भारत को उन देशों की सरकारों पर भी दबाव बनाना होगा जहां खालिस्तान के नाम पर आज भी गतिविधियां जारी हैं। लंदन में खालिस्तान समर्थकों की रैली को लेकर सवाल तो उठता ही है कि ब्रिटेन की सरकार ने यह जानते हुए भी कि खालिस्तान की मांग भारत की एकता-अखंडता पर हमला है, इस रैली के लिए इजाजत दी! पंजाब के साथ पूरे देश ने खालिस्तान का खौफनाक और जानलेवा दौर देखा है। पंजाब के शहरों की तंग गलियों से खाड़कुओं को, नंगी तलवारें और रिवॉल्वर, बंदूक के साथ, भागते देखा है। उस समय जांबाज पुलिस अफसर केपीएस गिल के नेतृत्व में पंजाब पुलिस ने ही खालिस्तान आंदोलन की कमर तोड़ने का बड़ा काम किया था। भिंडरावाला सरीखे आतंकी को ढेर कर दिया था। खालिस्तान आंदोलन ने इस देश को कई गहरे घाव दिए हैं। खालिस्तान आंदोलन ने ही देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्याएं की थीं। लिहाजा अब कोई भी सोच या साजिश हो, हम खालिस्तान को करवट लेते नहीं देख सकते। खालिस्तान आंदोलन ने पंजाब को बहुत नुकसान पहुंचाया है। पंजाब का आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक ढांचा खालिस्तान आंदोलन ने छिन्न-भिन्न करने का काम किया था।

प्रदूषित जल

आखिर, समाधान क्या है?

मोहम्मद शहजाद

केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय का हाल में चौंकाने वाला खुलासा किया है। इसके अनुसार देश की 80 प्रतिशत आबादी जहरीला पानी पी रही है।

मंत्रालय के जरिए राज्य सभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 29 राज्यों के 491 जिलों के ग्राउंड वॉटर में आयरन और 25 राज्यों के 209 जिलों में आर्सेनिक की मात्रा तय मानक से अधिक है। 18 राज्यों के 162 जिलों के भूजल में यूरेनियम, 16 राज्यों के 62 जिलों में क्रोमियम और 11 राज्यों के 29 जिलों में कैडमियम की मात्रा तय मानक से ज्यादा पाई गई है।

आंकड़ों के मुताबिक, 671 इलाके फ्लोराइड, 814 इलाके आर्सेनिक, 14079 क्षेत्र आयरन, 517 क्षेत्र नाइट्रेट और 111 क्षेत्र भारी धातु से दूषित हैं। पानी में इन धातुओं के तय मानक से ज्यादा मात्रा में पाए जाने का मतलब है कि ये पानी को जहरीला कर रही हैं। इससे पेट दर्द और उल्टी दस्त से लेकर चर्म रोग, गुर्दे, लीवर, हड्डी और नर्वस सिस्टम से संबंधित बीमारियां, ट्यूमर, अल्जाइमर और कैंसर जैसी गंभीर बीमरियां तक हो सकती हैं।

चौंकिए मत! क्योंकि यह किसी और की करतूत का नतीजा नहीं है। यह सब-कुछ हमारा-आपका किया-धरा है। 'जल ही जीवन है'-इस सुविचार को हम बचपन से सुनते आए हैं, लेकिन क्या कभी इस ओर हमने ध्यान दिया। नहीं ना! बस केवल उसका दोहन करते रहे। तभी तो नौबत आज यहां तक आ पहुंची है। जलवायु परिवर्तन के नतीजे अभी तक तो प्रदूषण इत्यादि के रूप में हमारी धरा पर ऊपर-ऊपर ही नजर आते थे लेकिन अब इनका प्रभाव धरती की गहराई में मौजूद ग्राउंड वाटर तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि भारत की आधी से ज्यादा आबादी गांवों में रहती है। अमूमन माना जाता है कि गांव के लोगों को सबसे शुद्ध हवा-पानी मयस्सर है। जल शक्ति मंत्रालय के ताजा

आंकड़े इस धारणा को भी झुठलाते प्रतीत होते हैं। इसके अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर तो और भी भयावह है क्योंकि इन इलाकों में पीने के पानी का मुख्य स्रेत यही भूजल है। यहां के लोग सीधे हैंडपंप, कुआं, बोरवेल और नदी-तालाब से पानी लेकर पी रहे हैं, जिन्हें शुद्ध करने का कोई माध्यम नहीं है। इसलिए ग्रामीण जहरीले पानी को गटकने के लिए विवश हैं। इसके बरक्स कुछ हद तक शहरों में भूजल सीधे पीने के लिए सप्लाई नहीं होता। उन्हें जल संयत्रों द्वारा संशोधित करके पीने का पानी घरों में सप्लाई किया जाता है। कुछ घरों में लोग निजी वॉटर प्यूरिफॉयर और आरओ लगवाकर दूषित पानी से अपनी सुरक्षा करते हैं। धनाढ्य लोगों के नसीब में बोतलबंद पानी भी है। यह खुशनसीबी चंद लोगों के भाग्य में ही है क्योंकि अधिकतर लोग आरओ और बोतलबंद पानी का खर्च वहन नहीं कर सकते हैं।

शहरों में औद्योगिक गतिविधियां अधिक होने से यहां ग्राउंड वॉटर में इन जहरीली धातुओं की मात्रा ग्रामीण क्षेत्रों से भी ज्यादा पाई जाती है। ऐसे में यहां के लोग खराब क्वालिटी के प्यूरिफायर प्लांट से शोधित पानी को सस्ती दरों में लेकर पीने को मजबूर हैं। अभी तो कम से कम यह जहरीला पानी हलक तर करने के लिए मिल भी जा रहा है। भविष्य में पता नहीं यह भी नसीब होगा या नहीं क्योंकि इस साल देश-दुनिया में पड़ी भीषण गर्मी का असर पूरे देश के भूजल स्तर पर पड़ा। इस दौरान देश के ज्यादातर हिस्सों में भूजल स्तर काफी नीचे चला गया। इससे साफ है कि 'जल बचाएं, भविष्य बचाएं' जैसी बातों को भी हमने जीवन का ध्येय वाक्य बनाने की बजाय केवल नारे के रूप में ही लिया।

अजीब बात है कि हमारी सिंधु घाटी की प्राचीन सभ्यता विशेषकर धोलावीरा से जल संरक्षण और प्रबंधन के बेहतरीन प्रमाण मिलते हैं, लेकिन हमारी आज की आधुनिक सभ्यता के लोग इससे बेपरवाह नजर आते हैं। बरसों से वृष्टा जल संचयन की बातें हो रही हैं, लेकिन जमीनी सतह पर इसका कोई असर नजर नहीं आता। कहने को तो जल संसाधन मंत्रालय हमेशा से केंद्र सरकार के अधीन रहा है। उसमें नदी विकास और गंगा संरक्षण भी जुड़ गया है। अब तो विधिवत अलग जल शक्ति मंत्रालय है। राज्यों के भी इसके लिए अलग मंत्रालय और विभाग हैं। केंद्र की परियोजनाओं एवं यूनिसेफ के वॉटर, सैनिटेशन एंड् हाईजीन (वॉश) कार्यक्रम के तहत हजारों एनजीओ काम कर रहे हैं, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन-पात है।

केंद्र सरकार ने अगस्त, 2019 में जल जीवन मिशन लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य 2024 तक देश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक पीने का पानी टोंटी के जरिए पहुंचाना है। देश के 19.15 करोड़ ग्रामीण घरों में से 9.81 करोड़ घरों तक टैप वॉटर सप्लाई हो चुकी है यानी लगभग आधे लक्ष्य की प्राप्ति हो चुकी है। इसके अतिरिक्त अक्टूबर, 2021 में अमृत 2.0 स्कीम भी शुरू की गई है। इसके जरिए अगले पांच बरसों में सभी शहरों को टैप वॉटर सप्लाई करने का लक्ष्य है। निःसंदेह ये आंकड़े सुकून देने वाले हैं, लेकिन असल सवाल अब भी वही है कि इस पानी को सप्लाई करने वाले स्रेत-भूजल-के संरक्षण के लिए क्या किया जा रहा है?

बीवाल बने विप्र फाउंडेशन विधाधर नगर विधानसभा अध्यक्ष

मरूधर विशेष/विनोद शर्मा

मुकेश बिवाल को विप्र फाउंडेशन ने विधाधर नगर विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष पद पर मनोनित किया ।साथ ही बिवाल ने उपाध्यक्ष पूरनमल शर्मा ,स्रह परवीन शर्मा ,रत्नाकर शर्मा,महासचिव अजय शर्मा, कपिल शर्मा को नियुक्तिया दी।

नीमराणा पंचायत समिति में जल जीवन मिशन को लेकर फील्ड टेस्ट किट का दिया प्रशिक्षण

मरुधर विशेष/हवासिंह चौधरी

नीमराणा। थाना क्षेत्र में में जल जीवन मिशन (हर घर जल) गुणवत्ता एवं निगरानी कार्यक्रम,जल स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग अलवर के द्वारा आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पँचायत समिति प्रधान संतोष बलवान यादव रही।कार्यक्रम में मुख्य रूप से फील्ड टेस्ट किट के बारे में प्रशिक्षण दिया गया और बताया गया कि किस तरह से शुद्ध जल की जांच की जा सकती है।इस कार्यक्रम में एक फील्ड टेस्ट किट हर ग्राम पंचायत को वितरित की गई।और कार्यक्रम में फील्ड टेस्ट किट के बारे में सभी प्रकार की जानकारियां दी गई।कि इसे किस प्रकार से उपयोग में ले सकते हैं।कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी व सभी ग्राम पंचायतो के जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्री जगदंबा मातेश्वरी मंदिर समिति महिला मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ व अतिथि सम्मान का हुआ आयोजन

मरूधर विशेष/खेमचन्द गुप्ता

श्री जगदंबा मातेश्वरी मंदिर समिति महिला मंडल द्वारासुंदरकांड का आयोजन हुआ जिसकी आयोजक कर्ता महिला मंडल की प्रमुख प्रतिभा कंवर और नीरज कवर को विमला देवी द्वारा दुप्पटा पहनाकर अभिनन्दन किया। उपाध्यक्ष मुकुल सिंह साँचोरा ने बताया की काफी संख्या में महिला और पुरुषों ने सुंदरकांड का आनंद लिया।सभी ने मिलकर आरती की और प्रसाद ग्रहण किया।समिति अध्यक्ष भवर सिंह सचिव नवरतन सिंह कोषाध्यक्ष इंद्र सिंह भागीरथ सिंह हेमन्त सिंह सुरेंद्र सिंह दुर्गा सिंह करन सिंह सीताराम सिंह आदि लोग मोजूद रहे। उसके बाद श्री जगदंबा मातेश्वरी मंदिर समिति नया खेड़ा के अध्यक्ष भवर सिंह सचिव नवरतन सिंह द्वारा आयोजित अतिथि सम्मान समारोह में विद्याधर नगर विधायक श्री नरपत सिंह राजवी, श्री अभिमन्यु सिंह राजवी को समिति द्वारा साफा पहनाकर स्वागत किया।साथ मे आमंत्रित चेयरमैन श्रीमती रश्मि राजेंद्र सैनी,पार्षद प्रेम देवी,मंडल अध्यक्ष ताराचंद शर्मा पार्षद रूप कंवर पार्षद सुरेश जांगिड़ पार्षद दिनेश कांवट पार्षद रणवीर सिंह राजावत हरिओम जन सेवा समिति प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल श्री कुलदीप सिंह जोड़ी युवा मोर्चा अध्यक्ष राजू मीणा जी आदि अतिथि गण पधारे समिति द्वारा इनको दुपट्टा व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।समिति के कोशाध्यक्ष इंद्र सिंह भागीरथ सिंह हेमन्त सिंह नरेंद्र सिंह गणपत सिंह महिला मंडल की विमला देवी प्रतिभा कवर नीरज कवर आशा कवर आदि मौजूद रही।

मुम्बई में आयोजित हुआ एलओटी इंटरनेशनल फैशन वीक 2022, बॉलीवुड एक्ट्रेस दीप्ति चौधरी सैनी रही शो - ओपनर

मरूधर विशेष

मुम्बई । मिड डे के द्वारा लॉर्ड्स ऑफ ट्रेंड्स इंटरनेशनल फैशन वीक 2022 का आयोजन मुम्बई के एक होटल में आयोजित हुआ।

अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध फ़ैशन डिज़ाइनर मुमताज़ खान ने मुंबई में मिड डे के सौजन्य से आयोजित त्रिशूल दी डिवाइन फ़ैशन शो में अपना कलेक्शन BLISS प्रस्तुत किया। मध्य प्रदेश के नैचरल हैंड ब्लॉक बाग़ प्रिंट और गुजरात के हैंड ब्लॉक प्रिंट अजरख से बने अनोखे खूबसूरत डिज़ाइंज़ प्रस्तुत किये। कॉटन से बने और ज़रदोज़ी से सजे गाउंस को प्रस्तुत कर सबको अचंभित कर दिया। शो ओपनर रही जयपुर की एक्ट्रेस दीप्ति सैनी ने बताया कि शो में कॉटन को ब्राइडल और पार्टी वीयर में इस तरह इतनी खूबसूरती से दिखाया कि आँखो को यक़ीन ही नहीं हुआ कि यह कॉटन है। फ़ैशन शो में शो की शुरुआत मिसेस इंडिया इंटरनेशनल फैशनिस्ता दीप्ति सैनी ने शो ओपनर बन के करी। वह प्रख्यात फ़ैशन डिज़ाइनर मुमताज़ खान की शो ओपनर थीं व उनके साथ जयपुर के मशहूर फ़िल्म टीवी एक्टर निर्भय वष्टधवा और मिस ग्लोब 2016 डिम्पल पटेल शो स्टापर रहें।

करणी सेना के संभागीय अध्यक्ष ने किया पौधरोपण ओर आथित्य सम्मान

मरूधर विशेष/लोकेश चौधरी

कोटा नया गांव स्थित बजरंग व्यामशाला करणी सेना के संभागीय अध्यक्ष युवराज सिंह चौहान ने किया पौधारोपण जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित गोयल और प्रदेश महामंत्री रजनी शक्तावत का किया सम्मान किया करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सूरजपाल सिंह जी के नेतृत्व में करणी सेना पूरे भारतवर्ष में पौधारोपण कर रही है और इस ी के तहत कोटा राजस्थान में भी आज पौधारोपण किया कोटा नयागांव बजरंग व्यामशाला हनुमान मंदिर पर फलदार छायादार पौधे लगाए साथ में करणी सेना पृथ्वीराज सिंह हाडा लक्ष्मण सिंह हाडा, धर्मेंद्र राठौर, हरी राजसिंह हाडा ,कृष्ण मुरारी नागर, जितेंद्र नामा ,कालू गुर्जर मनीष यादव, तुलसीराम प्रजापत गोविंद, सेन कैलाश गोस्वामी मुकेश शर्मा और भी कितने ही करणी सेना मौजूद रहे

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ही सभी समस्या का समाधान- विजयानंद

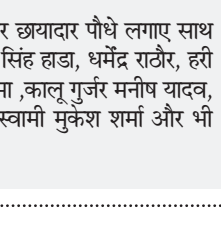

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

गांगड़तलाई के विद्या निकेतन में राष्टीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन और अतिथि परिचय के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। संघ के प्रांत प्रचारक विजयानन्द ने अतीत से लेकर वर्तमान तक के भारत की चर्चा करते हुए संघ स्थापना ओर संघ के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संघ की स्थापना का उद्देश्य सनातन भारतीय हिन्दू संस्कृति व जीवन मूल्यों को संरक्षित, प्रसारित करना है। संघ का अपना कुछ नही है जो प्रान्त प्रचारक ने भारतीय संस्कृति को विकृत रूप के प्रस्तुत करने को सोंची समझी साजिश का हिस्सा बताया। अंग्रेजो ने फूट डालो और राज करो की कूटनीति को अपनाते हुए अपने शासनकाल के 200 वर्षो में हर स्तर से हिंदू संस्कृति को दूषित, खंडित करने का प्रयास किया। दुर्भाग्य से यह सिलसिला आजादी के बाद भी यथावत रहा जिसका प्रमुख कारण भारतीय संस्कृति के प्रति घृणा का भाव रखने वाली वामपंथी सोच थी। आजादी के बाद देश विरोधियों ने तत्कालीन सरकारी के वरदहस्त प्राप्त होने से शिक्षा जगत को अपने चुंगल के कस लिया। पाठ्य पुस्तको को हिंदुत्व के विरुद्ध छद्म युद्ध का साधन बना सनातन संस्कृति को विकृत कर के आजाद भारत में पढ़ाया गया। इतिहास की पुस्तकों को हथियार बना हमारी पवित्र संस्कृति को विकृत रूप में परोस दिया गया। यह स्पष्ट मत है कि जहा हिंदू घटा वहा देश बटा। कलयुग में असुर वृत्ति के नाश हेतु संगठन ही सबसे बड़ी शक्ति है। संघ की स्थापना 1925 में सद् शक्तियों के संगठन और सनातन संस्कृति के रक्षण हेतु पूज्य हेडगेवार ने नागपुर में की।आज संघ अपने 100 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। निष्ठावान स्वयंसेवकों की त्याग और तपस्या के सुखद परिणाम हम देश समाज जीवन में देख पा रहें है। विश्व गुरु भारत का इतिहास बदल दिया गया और हमे विकृत इतिहास पढ़ाया गया। हमारे देश मे कभी गंदगी नही हुआ करती थी लेकिन आज की स्थिति है कि स्वछता अभियान चलाने पड़ रहे हैं यूज एंड थ्रो के चलन से गंदगी के ढ़ेर लगे हुए हैं। तुलसी की उपयोगिता होने के बावजूद भी मनी प्लांट घर घर पहुँचा , जिसमें हमारी वनस्पति जाल नष्ट करने की योजना थी।

आजादी के बाद तीन धर्म थे हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई लेकिन बाद में सिख, जेन,बोद्ध मत पंथ बनाये अथार्त हमारे धर्म को तोड़ने का प्रयास किया गया।

विवाह बंधन हमारे सात जन्मों की संकल्पना है , तलाक , सम्बन्ध-

विच्छेद की कोई अवधारणा ही नही है। भगवान कृष्ण ने द्वापर में कहा था संघे शक्ति कलोयुगे यानी कलयुग में संगठन ही श्रेष्ठ है इसलिए आज सद शक्तियों को संगठित हो कर पूर्ण मनोयोग से तन मन धन सभी प्रकार से समाज राष्ट हेतु जुड़ना होगा। हमें षड्यंत्रकारियों और विधर्मियों को पहचान भारत के गौरवशाली अतीत को समाज के सामने लाकर युवा पीढ़ी ने निज संस्कृति धर्म के प्रति आत्म गौरव पुनः स्थापित करने के प्रयास करने होंगे। भारत को विश्व गुरु बनाने हेतु स्वावलंबन और संस्कारवान युवा पीढ़ी तैयार करने का जोर दिया। उन्होंने समाज की सज्जन शक्ति को राष्ट निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया और कहा सज्जन शक्ति का मौन रहना दुर्जनो के कार्य को बढ़ावा देना है। प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि समाजसेवी सुखलाल सोलंकी ने बताया कि हमारे हिन्दू समाज को लोग प्रलोभन देकर तोड़ने का कार्य कर रहे है । हमे पूरी एकता, एकात्मता व सजकता से उनका सामना करना होगा एव उनके द्वारा प्रसारित कुचक्र को तोड़ना होगा। अपने धर्म का जागरण करे, धार्मिक आयोजन करे इसी से राष्ट जागरण होगा। यह जानकारी संघ के जिला प्रचार प्रमुख तुषार उपाध्याय ने दी।

ठेके पर कार्यरत विद्युत कर्मियों को नहीं मिल रहा वेतन

विरोध प्रदर्शन कर सहायक अभियंता को दिया ज्ञापन।

मरूधर विशेष

खेरली। दिनेश लेखी। कस्बा क्षेत्र के 133 केवी विद्युत स्टेशन के अंतर्गत आने वाले 11 सब विद्युत स्टेशनों में ठेकेदार के मार्फत कार्यरत 33 कर्मियों को कई माह से वेतन नहीं मिलने की शिकायत करते हुये मंगलवार को खेरली बिजलीघर पर विरोध प्रदर्शन कर सहायक अभियंता को ज्ञापन दिया। इन कार्मिकों का कहना है कि वे सभी ठेकेदार को संपूर्ण उचित दस्तावेज जमा कराकर विगत सात आठ वर्षों से कार्यरत हैं। जिन्हें ना तो उचित मानदेय दिया जाता है। और ना ही पीएफ, जबकि इन्हें नियुक्ति के समय पीएफ देने का वायदा ठेकेदार द्वारा किया गया था। इन वर्षों में कई बार ठेका लेने वाली फर्म व ठेकेदार बदल गए परंतु अभी तक ना तो उचित मानदेय दिया गया है। और ना ही पीएफ बल्कि शीघ्र भुगतान करने का झांसा देते रहे हैं। ठेकेदार द्वारा इन्हें कोई नियुक्ति पत्र भी नहीं दिया गया है । और ना ही कोई परिचय पत्र जिससे कि उक्त कार्मिकों की पहचान विद्युत कर्मियों के रूप में हो सके। वही आपको बता दें कि अपनी जान हथेली पर रखकर कार्य करने वाले इन कार्मिकों के पास विद्युत सब स्टेशनों पर उपलब्ध रहने वाले सुरक्षा उपकरण भी नहीं है। ठेके पर कार्यरत कार्मिकों ने इन सभी समस्याओं को लेकर खेरली बिजली घर पर विरोध प्रदर्शन करते हुए सहायक अभियंता को ज्ञापन देकर उचित कार्यवाही की मांग की है। अन्यथा कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी है।

छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर तीन प्रत्याशी चुनावी मैदान में त्रिकोणीय संघर्ष होने की संभावना

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। राजकीय महाविद्यालय कठूमर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ.रामनाथ खोरवाल ने बताया कि विभिन्न पदों के लिए 16 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिनमें 12 आवेदन पत्र वैध एवं 4आवेदन पत्र अवैद्य पाए गए। इसके पश्चात 3 विद्यार्थियों ने नाम वापस लिए।

2:00 बजे बाद अंतिम नामांकन सूची चस्पा की गई।

जिसमें अध्यक्ष पद हेतु जसवंत सिंह, पारस, मोहित कुमार शर्मा उपाध्यक्ष पद हेतु अंकिता देवी, क्षमा शर्मा महासचिव पद हेतु नीतीश कुमार, नीतेश कुमार तथा संयुक्त सचिव पद हेतु अखिलेश वर्मा एवं नवीन कोली प्रत्याशी हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विभिन्न पदों के प्रत्याशियों के द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को कॉलेज परिसर में कल 1:00 बजे संबोधित किया जाएगा। के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ.रामनाथ खोरवाल ने बताया कि विभिन्न पदों के लिए 16 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिनमें 12 आवेदन पत्र वैध एवं 4 आवेदन पत्र अवैद्य पाए गए। इसके पश्चात 3 विद्यार्थियों ने नाम वापस लिए। और 2:00 बजे के बाद अंतिम नामांकन सूची चस्पा की गई। जिसमें अध्यक्ष पद हेतु जसवंत सिंह, पारस सौंख, मोहित कुमार शर्मा प्रत्याशी रहें। उपाध्यक्ष पद हेतु अंकिता देवी, क्षमा शर्मा प्रत्याशी रही। महासचिव पद हेतु नीतीश कुमार, नीतेश कुमार तथा संयुक्त सचिव पद हेतु अखिलेश वर्मा एवं नवीन कोली प्रत्याशी हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विभिन्न पदों के चुनाव प्रत्याशियों के द्वारा महाविद्यालय के अध्ययनरत विद्यार्थियों को कॉलेज परिसर में बुधवार को 1:00 बजे संबोधित किया जाएगा।

जयपुर संगीत महाविद्यालय द्वारा जयपुर म्यूज़िक फेस्टीवल 2022 का जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में आयोजन

मरूधर विशेष/धर्मेंद्र वैष्णव

आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में जयपुर संगीत महाविद्यालय द्वारा जयपुर म्यूज़िक फेस्टीवल 2022 का जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में आयोजन किया गया । समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में केबिनेट मंत्री श्री प्रताप सिँह खाचरियावास , सम्माननीय अतिथि डा अर्चना शर्मा जी तथा वी एल टी ग्रूप की चैयरमेन श्रीमति ललिता वैष्णव जी तथा समारोह अध्यक्ष श्री राजेश मेहता तथा जयपुर संगीत महाविद्यालय के निदेशक श्री राम शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर रंगारंग संध्या का शुभारंभ किया । जयपुर संगीत महाविद्यालय की ओर से निदेशक श्री राम शर्मा , कोषाध्यक्ष श्रीमती रानू शर्मा ने अतिथिगण का माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया । वर्ष 2016 से संगीत के उन्नयन औऱ विकास के प्रति समर्पित जयपुर संगीत महाविद्यालय ने अबतक 4000 विध्यार्थियो को संगीत की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण दिया है । कार्यक्रम का प्रायोजन, वी एल टी ग्रुप ने किया । समारोह में जयपुर संगीत महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने गायन वादन नृत्य की विभिन्न विधाओं से समां बाँधा । समारोह में सुप्रसिद्ध नर्तक श्री विशाल कृष्णा ने अपनी मनोहरी प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीता साथ ही भरतनाट्यम और राजस्थानी लोक नित्य की प्रस्तुति ने सभागार को गुंजायमान बना दिया इसी श्रृंखला में मत कर माया को अभिमान एवम जल को बचाने के लिए जलगीत के द्वारा उसकी महतवस्ता बताई गयी .मुख्य अतिथि माननीय प्रताप सिँह जी तथा विशिष्ट अतिथि गण ने प्रस्तुतियों की सराहना करते हूऐ समाज में कला एवम संस्कृति के विकास हेतु संगीत महाविद्यालय के प्रय%ों को सराहा । समारोह का मंच संचालन सुप्रसिद्ध कवि तथा वरिष्ठ रंगकर्मी राजेश आचार्य ने किया । समोराह के दौरान जयपुर क्षेत्र के सात युवा कलाकारों को भी सम्मानित किया क्या जिनमे रीना प्रधान , चेतन जवड़ा , भवदीप जवड़ा , नीलम रावत, प्रीति भार्गव, विशाल कृष्णा (बनारस) को नृत्य शिरोमणि अवार्ड 2022 एवं अजय चौधरी को सुरमणी अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में संगत कलाकारों में सितार पर हरी हर शरण भट्ट , सारंगी पर अमीरुद्दीन खान , तबला पर अमीर खान , अभिषेक मिश्रा (बनारस), गायन पर जयवर्धन दाधीच ने अहम् भूमिका निभाई।

जादूगर शिवकुमार पत्रकारों से हुए रूबरू....... जादू कला ओर चमत्कारिक शक्तियों से जुड़े पत्रकारों के सवालों के दिए चौंकाने वाले जवाब

मरुधर विशेष/हवासिंह चौधरी

बहरोड़। शहर में पोस्ट ऑफिस रोड पर स्थित विक्रम टॉकीज में राठ क्षेत्र के एकमात्र एवं देश दुनिया के जाने माने जादूगर शिवकुमार अपनी जादुई कला का प्रदर्शन 25 अगस्त गुरुवार से करेंगे। इससे पूर्व मंगलवार को बहरोड़ शहर के मशहूर होटल हाईवे एक्सप्रेस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई जिसमें जादूगर शिवकुमार मीडिया कर्मियों से रूबरू हुए। इस दौरान मीडिया कर्मियों के जादू व चमत्कारिक दैवीय शक्तियों सहित भूत प्रेत आत्मा आदि से जुड़े सवालों के जवाब दिए। जिसमें उन्होंने बताया कि जादू एक प्राचीन कला है वहीं कुछ ढोंगी ओर पाखंडी लोगों ने इसे तंत्र मंत्र से जोड़कर भोली भाली आम जनता को ठगने का जरिया बना रखा है। जादू एक वह कला है जो विज्ञान मनोविज्ञान सहित हाथ की सफाई का नतीजा है। जब पत्रकारों ने सवाल किया कि जादू के दौरान क्या वास्तव में नजर बन्दी होती है? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि नजरबनदी नहीं बल्कि आप उसे अक्लमंदी कहें तो ज्यादा बेहतर होगा। होटल में पहुंचने पर जादूगर शिवकुमार के मैनेजर महेंद्र शर्मा ने सभी पत्रकारों का स्वागत किया। प्रेस वार्ता के दौरान जादूगर शिवकुमार एवं उनके साथ कोलकाता से आए जादूगर दलीप ने काफी सारे मैजिक आइटम दिखा पत्रकारों को चकित कर दिया। इसी दौरान जादूगर शिवकुमार ने मैजिक शो की चर्चा करते हुए कहा कि हमारा मैजिक शो पूर्णतः अंधविश्वास के खिलाफ है जिसमें बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ,नशा मुक्त रहो के साथ साथ अनेक सामाजिक संदेशों से भरा हुआ है। पूरा शो हंसी मजाक ओर हरत अंजेब कारनामों से भरा हुआ और स्वस्थ मनोरंजन से भरपूर है जिसको पूरे परिवार के साथ बैठकर देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को मेरा शो जरूर देखना चाहिए इस बार पहले से कुछ हटके नए आइटम भी शो के दौरान देखने को मिलेंगे जो आज तक बहरोड़ की जनता ने किसी भी जादू शो के दौरान नहीं देखे होंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजकुमार यादव, अनिल कुमार, सुभाष शर्मा, मुकेश शर्मा, देशराज यादव, मनोज यादव, हवासिंह चौधरी, जगमाल सिंह, धर्मेंद्र चरखिया, हंसराज बाबा, मयंक शर्मा, संदीप जोशी, सुनील जालंधरा, संदीप शर्मा, मनीष सोनी, एसएस धामा, संजय हिंदुस्तानी, सुनील मेघवाल, वीपी मीणा, अमित यादव, अभिषेक शर्मा, अनिल यादव, सचिन यादव, साहिल,संदीप भारद्वाज एवं जादूगर शिव कुमार के मीडिया प्रभारी संजय बागड़ी मौजूद रहे।

माउंट आबू में शिवसेना के तत्वोधान में आयोजित गणपति महोत्सव होगा साकार , विराजेंगे ' मेटल ' के गणपति , गणपति महोत्सव समिति अयोजक शिवसेना की बैठक संपन्न..

मरूधर विशेष/मनोज सराफ

माउंट आबू। गणपति महोत्सव समिति की बैठक देवेंद्र जानी, समिति अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 31 अगस्त 2022 को गणपति स्थापना को लेकर चर्चा की गई। बैठक में तय किया गया, की शहर के गली - मौहल्ले में स्थापित की जाने वाले अपना पत्र समिति तक पहुंचाए एवं 04 सितंबर को दोपहर में धड़ाधड़ महादेव मंदिर से विशाल शोभायात्रा निकाली जायेगी। समिति सचिव सुरेश थिंगर ने बताया की बैठक में सर्व सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की, सभी आयोजक अपने - अपने स्थानों पर मेटल की प्रतिमा स्थापना करें। जिससे पूजा - अर्चना एवं विसर्जन व्यवस्थित रूप से किया जावे। साथ ही यह निर्णय लिया गया, की जो मेटल की प्रतिमा के अलावा अन्य वस्तु की प्रतिमा स्थापित करते है, तो उस समिति की जिम्मेदारी रहेगी। गणपति महोत्सव समिति द्वारा अन्य किसी भी प्रकार की प्रतिमा का समर्थन नहीं किया जायेगा। बैठक में अध्यक्ष देवेंद्र जानी,समिति सचिव की सुरेश थिंगर ,प्रवीण सिंह, शिवसेना नगर प्रमुख वीरेंद्र सिंह चौहान,..पूर्व नगर प्रमुख देवेंद्र सिंह भंडारी.., नगर उप प्रमुख प्रशांत सिंह...तहसील उप प्रमुख प्रताप सिंह मकवाना,,शिवसेना सचिव हेम बहादुर खत्री.. अशोक लालवानी, पर्वत सिंह , हितेश बावरी, धुर्वा कनौजिया, जितेंद्र बनोधा, वीरेन जोशी सहित अनेकों शिवसेनिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।।

दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति की बहनों द्वारा आज मदारेश्वर गौशाला में बारस पर्व पर पर गाय और बछड़े की पूजा आरती की

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। विश्व हिंदू परिषद बांसवाड़ा की दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति की बहनों द्वारा आज

मदारेश्वर गौशाला में बारस पर्व पर पर गाय और बछड़े की पूजा आरती की गई साथ ही महादेव भगवान की पूजा की गई पहनो द्वारा गाय को रोटी गुड घास फल खिलाए गए दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका साक्षी दक ने बताया कि बछ बारस पर आज के दिन बेटे की मां गाय और बछड़े की पूजा अर्चना करती हैं और गाय की आरती की जाती है। गाय की परिक्रमा करते हैं। आज के दिन गेहूं और गेहूं से बनी कोई चीज नहीं खाते हैं आज मक्की की रोटी मूंग और चना खाया जाता है। विश्व हिंदू परिषद बांसवाड़ा के जिला प्रचार व प्रसार प्रमुख तरुण कुमार अडीचवाल ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका साक्षी दक मातृशक्ति जिला सत्संग प्रमुख मिथिलेश जी कौशिक विनीता शर्मा सुनीता कौशिक अंजना मेथानी साधना देवड़ा मोना शाह सोनिया राठौड़ मीनाक्षी भट्ट उषा परमार नैना जैन प्रतिभा जैन आदि बहने उपस्थित रही । ये जानकारी तरुण कुमार अडीचवाल जिला प्रचार व प्रसार प्रमुख विश्व हिंदू परिषद बांसवाड़ा ने दी।

मामा बालेश्वर दयाल राजकीय महाविद्यालय कुशलगढ़ में छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद हेतु 4 उम्मीदवार मैदान में

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। मामा बालेश्वर दयाल राजकीय महाविद्यालय कुशलगढ़ में छात्रसंघ चुनाव 2022 के कार्यक्रम अनुसार दिनांक 23/08/22 को नामांकन वापसी हेतु किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन वापस नहीं लिया। प्राचार्य डॉ लक्ष्मण लाल परमार ने बताया कि आज प्रातः वैध आवेदन पत्रों की सूची चस्पा दी गयी तथा नामांकन वापसी के लिए कोई घोषणा पत्र प्राप्त नही हुआ। मुख्य चुनाव अधिकारी महेन्द्र कुमार देपन ने बताया कि अध्यक्ष पद हेतु 4 उम्मीदवार मैदान में हैं। अध?यक्ष पद हेतु हेमचंद्र निहरता,हिमचन्द खडिया,करण खडिया,मनिष मुनिया, उपाध्यक्ष पद हेतु 3 उम्मीदवार राजेश कटारा,राकेश भाभोर व सुषमा राणा , महासचिव पद हेतु 03 उम्मीदवार पप्पु डामोर,संतोष व विकेश कटारा तथा संयुक्त सचिव पद के लिए अश्विन डामोर, रक्षा मईडा व सनिल मईडा के मध्य सीधा मुकाबला होगा।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक की तैयारी बैठक और शारीरिक शिक्षक समिति का गठन

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट में

कुशलगढ़। राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक की तैयारी बैठक का आयोजन मुख्य अतिथि सीबीओ शंभू लाल जी नायक विशिष्ट अतिथि शंभू रावत और विकास अधिकारी ऋषि राज जी मीणा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।कबड्डी ,खो-खो ,हॉकी , वॉलीबॉल ,क्रिकेट, सूटबॉल के बारे में ब्लॉक के शारीरिक शिक्षकों ने जानकारी दी। विकास अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण प्रतियोगिता का आयोजन सभी को तैयारी के साथ करना है और विजेता टीम को ब्लॉक स्तर के लिए तैयार करना है। इसी क्रम में इनके सानिध्य में शारीरिक शिक्षक समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए हरसिह खड़िया उपाध्यक्ष रमेश बारिया सचिव कमलेश कुमार चौधरी कोषाध्यक्ष राजेंद्र कारीगर प्रवक्ता शीतल मूसा महिला उपाध्यक्ष विमला ब्रह्मभट्ट संगठन मंत्री प्रवीण जी सह सचिव मनजी दामा महामंत्री बाबू निहरता मीडिया प्रभारी राजेश राठौड़ का गठन किया गया।

हैड कास्टेबल मीणा की सेवा निवृति पर उमडा जन सैलाब

मरूधर विशेष

अलवर । दिनेश लेखी। 22 बटालियन आईआईबीपी से स्वैच्छिक सेवानिवृति पर हैड कास्टेबल रामखिलाडी मीणा पुत्र राम स्वरूप मीणा का सर्व समाज एवं मीणा समाज ने केएमपी कॉलेज मीणाबास लोदाहेडी में भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के जिला महामंत्री एवं गोविन्दगढ नगर पालिका के पार्षद डाक्टर जीएस नरूका,प्रदेश अध्यक्ष ओड राजपूत सभा निर्मल प्रकाश सुरा, सोहन सिंह राठोड पूर्व सरपंच करीरिया,ओमवीर सिंह जालूकी,कैलाश मीणा अध्यक्ष राष्ट्रीय मीना महासभा भरतपुर, सावत्री देवी मीनावास जिला अध्यक्ष कांग्रेस वर्कर कमेटी भरतपुर, प्रान्तीय मंत्री हिन्दू जागरण मंच केसरी सिंह आजाद, जिला पार्षद रघुवीर सिंह, गिरधर सिंह पूर्व कांग्रेस उपाध्यक्ष अलवर आदि मौजूद थे।